# UNNAT BHARAT ABHIYAN

## Regional Coordinating Institute, Indian Institute of Technology Roorkee

### (News Clipping)

सोमवार, 21 सितम्बर 2020

# आईआईटी रूड़की में ग्रामीण विकास में जैविक खेती की महत्ता पर बेविनार

रुड़की, लोकसत्य।

आईआईटी रुड़की ने ग्रामीण विकास में जैविक खेती की महत्ता पर इंस्टीट्यूट लेक्चर आयोजित किया। 'ग्रामीण विकास और आत्म-निर्भर भारत में जैविक खेती का योगदान' विषय पर इस पहल को रीजनल कार्डिनेटिंग इंस्टीट्यूट, उन्नत भारत अभियान और आईआईटी रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस इवेंट का मकसद समग्र सामुदायिक विकास सुनिष्चित करने और ग्रामीण भारत के विकास की राह मजबूत बनाने में जैविक खेती के योगदान पर विचार साझा करना और छात्रों को कृषि संबंधित चुनौतियों से अवगत कराना था।

आईआईटी रुड़की में आरसीआई-यूबीए के समन्वयक प्रो. आशीष पांडे ने वेबिनार का शुभारंभ किया, जिसमें प्रतिश्ठित भारतीय किसान, शिक्षक, प्रशिक्षक भारत भूषण त्यागी ने एक प्रमुख वक्ता के तौर पर जैविक कृषि पर अपने विचार पेश किए। उन्हें भारत के चौथे सर्वाधिक लोकप्रिय पदम श्री जैसे कई अवार्ड मिल चुके हैं, उन्हें भारतीय कृषि क्षेत्र में अपने सराहनीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रोग्रेसिव फार्मर अवार्ड, पंतनगर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी-उत्तराखंड द्वारा डॉक्टरेट ऑफ साइंस, ऑर्गेनिक वल्ड कांग्रेस के दौरान धरतीमित्र अवार्ड जैसे सम्मानों से नवाजा गया है।मुफ्त सुविधाओं के साथ 80,000 से ज्यादा किसानों को प्रषिक्षित करने के बाद उनके प्रयासों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को बढ़ावा दिया है।